आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 13 अंक : 36 लखनऊ, बुद्धवार 28 दिसम्बर 2022 से 06 जनवरी 2023 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक

पहले ओबीसी को मिलेगा आरक्षण, फिर चुनाव कराएंगे : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार की नगर निकाय चुनाव संबंधी मसौदा अधिसूचना को रद्द करते हुए राज्य में नगर निकाय चुनाव बिना ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) आरक्षण के कराने का आदेश दिया। इसको लेकर राज्य की राजनीति तेज हो गई है। भाजपा के लिए इसे झटका माना जा रहा है। वहीं, विपक्ष राज्य की योगी सरकार पर हमलावर हो गया है। इस सब के बीच हाई कोर्ट के फैसले पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ की प्रतिक्रीया भी आई है। योगी ने साफ तौर पर कहा कि कि पहले प्रदेश सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग के नागरिकों को आरक्षण की सुविधा उपलब्ध करायेगी। इसके बाद ही चुनाव कराए जाएंगे। दरअसल, कोर्ट ने निकाय चुनाव को बिना ओबीसी आरक्षण के कराने के आदेश दिए हैं। योगी आदित्यनाथ ने अपने ट्वीट में कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन के परिप्रेक्ष्य में एक आयोग गठित कर ट्रिपल टेस्ट के आधार पर अन्य पिछड़ा वर्ग के नागरिकों को आरक्षण की सुविधा उपलब्ध कराएगी। इसके उपरान्त ही नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन को सम्पन्न कराया जाएगा। उन्होंने आगे लिखा कि यदि आवश्यक हुआ तो माननीय उच्च न्यायालय के निर्णय के क्रम में सभी कानूनी पहलुओं पर विचार करके प्रदेश सरकार माननीय सर्वोच्च न्यायालय में अपील भी करेगी। राज्य के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने लिखा कि नगरीय निकाय चुनाव के संबंध में माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद के आदेश का विस्तृत अध्ययन कर विधि विशेषज्ञों से परामर्श के बाद सरकार के स्तर पर अंतिम निर्णय

लिया जाएगा, परंतु पिछड़े वर्ग के अधिकारों को लेकर कोई समझौता नहीं किया जाएगा! कोर्ट के फैसले पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि यूपी में बहुप्रतीक्षित निकाय चुनाव में अन्य पिछड़ा वर्ग को संवैधानिक अधिकार के तहत मिलने वाले आरक्षण को लेकर सरकार की कारगुजारी का संज्ञान लेने सम्बंधी माननीय हाईकोर्ट का फैसला सही मायने में भाजपा व उनकी सरकार की ओबीसी एवं आरक्षण–विरोधी सोच व मानसिकता को प्रकट करता है। उन्होंने आगे कहा कि यूपी सरकार को मा. सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का पूरी निष्ठा व ईमानदारी से अनुपालन करते हुए ट्रिपल टेस्ट द्वारा ओबीसी आरक्षण की व्यवस्था को समय से निर्धारित करके चुनाव की प्रक्रिया को अन्तिम रूप दिया जाना था, जो सही से नहीं हुआ। इस गलती की सजा ओबीसी समाज बीजेपी को जरूर देगा। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि आज आरक्षण विरोधी भाजपा निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण के विषय पर घड़ियाली सहानुभूति दिखा रही है। आज भाजपा ने पिछड़ों के आरक्षण का हक छीना है,कल भाजपा बाबा साहब द्वारा दिए गये दलितों का आरक्षण भी छीन लेगी। आरक्षण को बचाने की लड़ाई में पिछडों व दलितों से सपा का साथ देने की अपील है। केशव प्रसाद मौर्य ने जवाब देते हुए कहा कि यूपी में अन्य पिछड़ा वर्ग को आरक्षण दिए बिना नगरीय निकाय चुनाव नहीं, चाहे इसके लिए उच्चतम न्यायालय जाना पड़ेगा तो भी जायेंगे, सपा पिछड़ा वर्ग विरोधी है। अखिलेश यादव जी नौटंकी बंद करें, बयानबाजी से कोई फायदा नहीं, मेरा वादा है भाजपा है, आरक्षण है और रहेगा!

राहुल का ये हाफ टी शर्ट वाला लुक सोशल मीडिया पर भी चर्चा का केंद्र, आखिर राहुल को क्यों नहीं लगती सर्दी?

नई दिल्ली। अमेरिका से जापान और हिन्दुस्तान तक में इतनी ठंड है कि कोई भी कांपने लगे और कोई भी बर्फ की तरह जम जाए। लेकिन कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को ठंड नहीं लग रही है। वो इतनी ठंड में भी हाफ टी शर्ट में घूम रहे हैं। बीते दिनों जब राहुल गांधी महात्मा गांधी के समाधि स्थल पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए पहुंचे तो दिल्ली का तापमान करीब ५ डिग्री सेल्शियस था। लेकिन यहां भी राहुल गांधी बड़े आराम से टी शर्ट पहनकर घूम रहे थे। ऐसा भी नहीं था कि वो जल्दी से एक समाधि स्थल पर गए हो और फिर वहां से वापस आ गए हो। राहुल का ये हाफ टी शर्ट वाला लुक सोशल मीडिया पर भी चर्चा का केंद्र बना रहा। हरियाणा के ंषि मंत्री जेपी दलाल ने भारत जोड़ो यात्रा पर चुटकी लेते हुए कहा कि राहुल गांधी सेना को बताएं कि वो ऐसी कौन सी दवा खाते हैं कि इतनी ठंड में भी टी शर्ट पहनकर चलते हैं। वहीं एक यूजर ने राहुल से पूछा कि आप ही बता दें कि आपकी एनर्जी और फिटनेस का

सीक्रेट क्या है? अन्वेष्का दास नाम की यूजर ने कमेंट किया, सच में पैसों में बहुत गर्मी होती है। सुबह करीब ७ बजे राहुल गांधी सबसे पहले राजीव गांधी के समाधिस्थल पर पहुंचे, फिर उसके बाद इंदिरा गांधी, जवाहर लाल नेहरू और महात्मा गांधी के समाधिस्थल पर गए। फिर राहुल अटल बिहारी वाजपेयी के समाधिस्थल पर भी गए। इन सभी जगहों पर वो हाफ टी शर्ट में नजर आए। दरअसल, भारत जोड़ो यात्रा के शुरुआती दिनों को छोड़कर पूरी यात्रा में राहुल गांधी सफेद रंग की हाफ टी शर्ट में ही दिखे हैं। दक्षिण भारत तक तो ये बात सामान्य थी क्योंकि वहां कम सर्दी थी। लेकिन दिल्ली–हरियाणा जैसे राज्यों जहां पारा इन दिनों ५ डिग्री सेल्शियस तक पहुंच चुका है। वहां भी राहुल गांधी हाफ टीशर्ट में चल रहे हैं। इसलिए ये तस्वीरें चर्चा का केंद्र बनी हुई है। राहुल गांधी से भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भी यह सवाल पूछा गया था कि क्या उन्हें ठंड नहीं लगती? जिसके जवाब में उन्होंने सवाल पूछते हुए जवाब दिया था कि देश गरीबों, किसानों, छात्रों से यह बात क्यों नहीं पूछी जाती कि उन्हें क्यों ठंड नहीं लगती? यात्रा के दौरान भी राहुल टी–शर्ट पहने ही नजर आए हैं।

सानिया ने की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात

लखनऊ। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) की परीक्षा उत्तीर्ण कर देश की पहली मुस्लिम फाइटर पायलट बनने जा रही सानिया मिर्जा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण

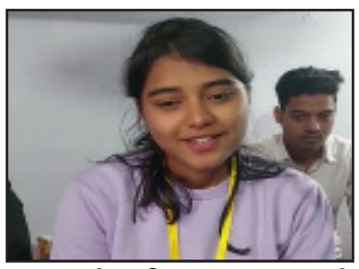

राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने बताया कि सानिया ने मुख्यमंत्री से उनके आवास पर भेंट की और इस दौरान उनके पिता शाहिद अली और मां तबस्सुम मिर्जा भी मौजूद थीं। सानिया और उनके माता–पिता को मुख्यमंत्री से मिलवाने गये अंसारी ने बताया कि आदित्यनाथ ने सानिया को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। मंत्री के अनुसार साथ ही, मुख्यमंत्री ने उनके पिता माता–पिता को भी बधाई दी और कहा, '' हमारी बच्चियों को ऐसे ही कीर्तिमान रचते रहने की जरूरत है।'' अंसारी के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर सोनिया को कभी सरकार से किसी भी तरह के सहयोग की जरूरत हो तो वह निरूसंकोच कहें क्योंकि सरकार युवाओं को शिक्षित और प्रोत्साहित करने के लिए सदैव तत्पर है। अंसारी ने बताया कि सानिया अल्पसंख्यक समाज की गौरव हैं और प्रदेश की भाजपा सरकार ने शिक्षा और महिला सशक्तीकरण की दिशा में खासकर अल्पसंख्यकों के लिये जिस तरीके से प्रयास की है, उसी का फल है कि एक आम परिवार में जन्मी सानिया मिर्जा ने उत्तर प्रदेश की पहली महिला पायलट होने की उपलब्धि हासिल करके राज्य का गौरव बढ़ाया है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के जसोवर गांव की सानिया मिर्जा ने इसी साल अप्रैल में एनडीए की परीक्षा दी थी। नवंबर में जारी परिणाम में उनका चयन हुआ है। वह फ्लाइंग विंग में चुनी जाने वाली दो महिलाओं में से एक हैं। सानिया का प्रशिक्षण पुणे में होगा। सानिया मिर्जा देश की पहली मुस्लिम महिला फाइटर पायलट बन सकती हैं। अगर वह फाइटर पायलट बनीं तो उत्ध्तर प्रदेश की भी पहली महिला फाइटर पायलट होंगी।

हर शुक्रवार को लगेगी ग्राम चौपाल, वाराणसी से होगी शुरुआत : केशव प्रसाद मौर्य

अद्भुत समाचार नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के ग्राम विकास विभाग ने गांव की समस्या के समाधान के लिए हर शुक्रवार को 'ग्राम चौपाल' लगाने का फैसला किया है। इसकी शुरुआत राज्य के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ३० दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी से करेंगे। मौर्य ने एक ट्वीट में यह जानकारी दी। उत्तर प्रदेश सरकार में ग्राम विकास विभाग संभाल रहे उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार की सुबह ट्वीट किया, ''प्रत्येक शुक्रवार ग्राम विकास विभाग ग्राम चौपाल करेगा।''इसी ट्वीट में मौर्य ने कहा, ''काशी के लाड़ले सांसद प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के संसदीय क्षेत्र बाबा विश्वनाथ जी के धाम काशी (वाराणसी) से ३० दिसंबर, शुक्रवार को होगा श्रीगणेश। चौपाल में रहूंगा मौजूद। गांव की समस्या–गांव में समाधान।

सम्पादकीय

पूरा देश चुनौती का सामना करने के लिए एकजुट संकल्प ले

चीन से पेश आ रही चुनौती को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जो कहा है, वह काबिल–ए–गौर है। बेहतर होगा कि सरकार उस पर ध्यान दे– हालांकि आज के माहौल में ऐसा सचमुच होगा, इसकी संभावना न्यूनतम है। राहुल गांधी ने मोटे तौर पर दो बातें कही हैं। पहली यह कि चीन और पाकिस्तान ने मिल कर अब एक मोर्चा बना लिया है। यानी जब कभी युद्ध होगा, तो भारत को इन दोनों देशों के खिलाफ एक साथ लड़ना होगा। दूसरी बात उन्होंने यह कही है कि चीन आर्थिक और तकनीकी रूप से लगातार मजबूत हो रहा है, जबकि भारत में आपसी झगड़े हैं, एक दूसरे खिलाफ नफरत है और भ्रम का माहौल है। दूसरी बात को सत्ताधारी पार्टी अपनी आलोचना समझेगी, इसलिए जाहिर है कि वह पहली बात पर भी ध्यान नहीं देगी। लेकिन यह हकीकत है कि अब दो ढाई मोर्चों (चीन, पाकिस्तान दो पूरे और आतंकवाद आधा) पर युद्ध की बात पुरानी हो चुकी है। पाकिस्तान में चीन–पाकिस्तान इकनमिक करिडोर परियोजना के तहत चीन ने अपना इतना बड़ा स्वार्थ पैदा कर लिया है कि पाकिस्तान की रक्षा में उसका अपना हित शामिल हो गया है। उधर चीन से युद्ध की स्थिति में पाकिस्तान को उसी समय अपने रणनीतिक हित साध लेने का मौका नजर आएगा। इसलिए अगर कभी युद्ध हुआ, तो भारत की सेना को अरुणाचल से लद्दाख और राजस्थान से जम्मू–कश्मीर की सीमाओं पर एक साथ मोर्चा संभालना होगा। अगर भारत ने इस पूरे परिश्य को ध्यान में रख कर तैयारी नहीं की तो, जैसाकि राहुल गांधी ने आशंका जताई है, भारत को बड़ा नुकसान हो सकता है। अगर देश की आर्थिक और तकनीकी प्रगति की अवस्था देखें, तो सूरत और चिंताजनक नजर आती है। जब ऐसी चुनौतियां खड़ी हों, तब एक ही रास्ता बचता है कि पूरा देश चुनौती का सामना करने के लिए एकजुट संकल्प ले और उसके लिए हर कुर्बानी देते हुए तैयारी करे।

बुरी नीयत से धर्मपरिवर्तन गलतः मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को देशवासियों को क्रिसमस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बुरी नीयत से धर्म बदलना और बदलवाना, दोनों ही गलत है। जबरन की गई हर चीज बुरी होती है। बुरी नीयत से धर्म बदलना और बदलवाना, दोनों ही गलत है। उन्होंने कहा, अतः इस मुद्दे को सही परिप्रेक्ष्य में देखना और समझना जरूरी है। इसे लेकर की जा रही कट्टरवादी राजनीति से देश को लाभ कम और

मायावती ने ट्वीट किया, सभी देशवासियों और खासकर ईसाई धर्म का पालन करने वाले भाई–बहनों को क्रिसमस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। हमारे धर्म निरपेक्ष संविधान के तहत देश में अन्य धर्मों के लोगों की तरह ये लोग भी सुख–शांति और खुशहाली के साथ जीवन व्यतीत करें, यही कामना है। बसपा प्रमुख ने एक अन्य ट्वीट में कहा, धर्म परिवर्तन को लेकर देशभर में बवाल मचाया जाना अनुचित व चिंताजनक है। हानि ज्यादा होगी। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार की शाम प्रदेश के प्रमुख अधिकारियों के साथ कानून– व्यवस्था की समीक्षा बैठक करने के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट कर कहा था, आगामी २५ दिसंबर को क्रिसमस का त्योहार है। सभी धर्मगुरुओं के साथ संवाद बनाते हुए शांतिपूर्ण माहौल के बीच क्रिसमस का जश्न मनाने की व्यवस्था हो। यह सुनिश्चित किया जाए कि कहीं भी धर्मांतरण की घटना न होने पाए।

राष्ट्र भक्तों के लिए प्रेरणा है अटल जी का जीवन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा

कि अटल बिहारी वाजपेयी का ऋषितुल्य जीवन सभी राष्ट्र भक्तों के लिए प्रेरणा है। योगी ने ट्वीट किया, मूल्यों व आदर्शों की राजनीति के साधक, प्रखर वक्ता, उत्कृष्ट कवि, पूर्व प्रधानमंत्री, 'भारत रत्न' श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। उन्होंने आगे लिखा, आपका (अटल बिहारी वाजपेयी) ऋषितुल्य जीवन सभी राष्ट्र आराधकों के लिए प्रेरणा है। योगी ने सभी देशवासियों को 'सुशासन दिवस' की हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं। अटल जयंती को सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाता है। वहीं, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा, बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी, प्रखर राजनेता, हमारे प्रेरणा स्रोत, भाजपा के पितामह, पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न परम श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती पर उन्हें शत–शत नमन। उनकी जयंती पर समस्त देशवासियों को सुशासन दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने ट्वीट कर कहा, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पितृ पुरुष, मां भारती के सच्चे सपूत, हमारे पथ प्रदर्शक, पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती पर उन्हें शत–शत नमन। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ट्वीट किया, ऋषि मन की सात्विकता, पर्वत समान दृढ़ता और उत्कृष्ट लोकतांत्रिक परंपराओं के जीवंत प्रतिमान, असंख्य कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्रोत, पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी को उनकी जयंती पर कोटिशः नमन। श्रद्धेय अटल जी का त्यागमय जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

विदेश से लौटे दो युवक कोरोना संक्रमित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के आगरा और उन्नाव जिलों में विदेश से लौटे दो युवकों के कोरोना संक्रमित पाये जाने के बाद प्रशासनिक सक्रियता बढ़ गयी है और राज्य भर के सभी अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों में कोविड प्रबंधन का परीक्षण करने के लिए मंगलवार को छद्म अभ्यास (मॉकड्रिल) किया जाएगा। राज्य में स्वास्थ्य महकमा संभाल रहे उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने हालांकि भरोसा दिलाया है कि घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि उप्र में स्थिति नियंत्रण में है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा, 'हमें आगरा में एक कोरोना संक्रमित मरीज के बारे में जानकारी मिली है, उसका नमूना जीनोम अनुक्रमण के लिए भेजा गया है।' उन्होंने कहा, चिंता की कोई बात नहीं है क्योंकि स्थिति नियंत्रण में है और मरीज घर पर पृथक–वास में है। मैं उन सभी लोगों से अपील करना चाहता हूं जिन्होंने हाल ही में विदेश यात्रा की है, जब तक कि आप कोविड–१९ के लिए परीक्षण नहीं करवा लेते हैं, तब तक घर में पृथकवास में रहें। पाठक ने कहा, यदि कोई संक्रमित पाया जाता है तो उन्हें तुरंत प्रशासन को सूचित करना चाहिए और हम उनके लिए सभी व्यवस्थाएं करेंगे। उन्होंने बताया, 'मंगलवार को राज्य भर के सभी अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों में हमारे कोविड प्रबंधन का परीक्षण करने के लिए सुबह करीब १० बजे 'मॉकड्रिल' होगी। घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि उत्तर प्रदेश में स्थिति नियंत्रण में है।' उल्लेखनीय है कि चीन से दो दिन पहले आगरा लौटा ४० वर्षीय एक व्यक्ति कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया, जिसके बाद वह अपने घर पर पृथक–वास में है। आगरा के मुख्य चिकित्सा अधिकारी अरुण श्रीवास्तव ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि व्यक्ति के नमूने को जीनोम अनुक्रमण के लिए लखनऊ भेजा जाएगा। श्रीवास्तव

ने कहा, व्यक्ति अपने घर पर पृथक–वास में है और स्वास्थ्य विभाग की टीम से उसके परिवार के सदस्यों और उसके संपर्क में आए लोगों की जांच करने को कहा गया है। संक्रमित व्यक्ति २३ दिसंबर को चीन से दिल्ली के रास्ते आगरा लौटा था, जिसके बाद एक निजी प्रयोगशाला में उसने जांच कराई थी। श्रीवास्तव ने कहा कि व्यक्ति की जांच रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि हुई। अधिकारी ने कहा कि २५ नवंबर के बाद जिले में कोरोना वायरस संक्रमण का यह मामला सामने आया है। उन्नाव से मिली खबर के अनुसार जिले की हसनगंज तहसील क्षेत्र में लगभग एक माह बाद एक युवक कोरोना संक्रमित मिला है। युवक के कोरोना संक्रमित होने की रिपोर्ट जैसे ही स्वास्थ्य महकमे को मिली विभाग के अधिकारी सक्रिय हो गये। इसके बाद पुलिस के साथ डक्टरों की टीम युवक के घर पहुंची और उसके संपर्क में आने वालों को पृथकवास में कर नमूना लेकर जांच को लखनऊ भेजा है। वहीं संक्रमित युवक के नमूने को जीनोम अनुक्रमण के लिए लखनऊ मेडिकल कलेज भेजा गया है। उन्नाव के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉक्टर सत्य प्रकाश ने बताया कि जिले में अंतिम कोरोना संक्रमित मरीज लगभग एक माह पहले मिला था। उन्होंने बताया कि लखनऊ की निजी प्रयोगशाला से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार हसनगंज के एक गांव के रहने वाले २१ वर्षीय एक युवक को कोरोना से संक्रमित बताया गया है। उन्होंने बताया कि इस युवक में किसी तरह के कोई लक्षण नहीं दिख रहे हैं, फिर भी सूचना मिलने के बाद हसनगंज सीएचसी से 'रैपिड रिस्पांस टीम' (त्वरित प्रतिक्रिया दल) को संक्रमित युवक के घर जीनोम अनुक्रमण के लिए उसका नमूना लेने भेजा गया था। टीम ने युवक और उसके संपर्क में आने वाले २४ लोगों का नमूना लेकर जांच के लिये भेज दिया है। जांच रिपोर्ट अभी तक मिली नहीं है। उन्होंने बताया कि जब तक जांच रिपोर्ट मिल नहीं जाती है तब तक संक्रमित युवक और उसके संपर्क में आने वाले लोगों को घर पर ही पृथक–वास में किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि संक्रमित युवक करीब एक माह पहले दुबई से अपने घर आया था। वापस दुबई जाने के लिए उसने लखनऊ की एक निजी प्रयोगशाला से कोविड की जांच कराई थी, जिसकी रिपोर्ट में उसे संक्रमित बताया गया है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश में ओबीसी आरक्षण के बिना निकाय चुनाव कराने का आदेश दिया

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश सरकार की नगर निकाय चुनाव संबंधी मसौदा अधिसूचना को रद्द करते हुए राज्य में नगर निकाय चुनाव बिना ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) आरक्षण के कराने का आदेश दिया। इसके साथ ही पीठ ने राज्य सरकार एवं राज्य चुनाव आयोग को आदेश दिया है कि पिछड़ा वर्ग की सीटों को सामान्य श्रेणी की सीटें मानते हुए स्थानीय निकाय चुनाव को ३१ जनवरी, २०२३ तक संपन्न करा लिया जाए। न्यायमूर्ति देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति सौरभ लवानिया की खंडपीठ ने यह आदेश दिया। इस फैसले से राज्य में शहरी स्थानीय निकाय चुनाव कराने का रास्ध्ता साफ हो गया है। हालांकि अदालत के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राज्च्य सरकार ने कहा है कि इस मामले में आयोग गठित कर 'ट्रिपल टेस्ट' के आधार पर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के नागरिकों को आरक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी और इसके उपरांत ही नगर निकाय चुनाव सम्पन्न कराया जाएगा। उसने कहा कि यदि जरूरी हुआ तो उच्चतम न्यायालय में भी सरकार अपील करेगी। वहीं मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी (सपा) ने इसे पिछड़ों के हक पर कुठाराघात बताते हुए कहा है कि भाजपा निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण के विषय पर घड़ियाली सहानुभूति दिखा रही है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने भी फैसले के बाद सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश में शहरी स्थानीय निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण के लिए राज्य सरकार द्वारा पांच दिसंबर को तैयार मसौदा अधिसूचना को रद्द करते हुए निकाय चुनाव को बिना ओबीसी आरक्षण के कराने के आदेश दिए हैं। उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार 'ट्रिपल टेस्ट फर्मूले' के बिना सरकार द्वारा तैयार किए गए ओबीसी आरक्षण के मसौदे को चुनौती देने वाली जनहित याचिकाओं पर उच्च न्यायालय का यह फैसला आया। उच्च न्च्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि उच्चतम न्यायालय ने १२ साल पहले सरकार को 'ट्रिपल टेस्ट फॉर्मूला' अपनाने की बात कही थी किंतु इतना लंबा समय बीतने के बाद भी उक्त आदेश का अनुपालन नहीं किया गया। उसने कहा कि जब तक ट्रिपल टेस्ट में बताई गई सारी बातों को राज्य सरकार पूरा नहीं करती तब तक पिछड़ा वर्ग के नागरिकों को निकाय चुनावों में आरक्षण उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। उच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि तमाम निकायों का कार्यकाल खत्म हो चुका है और कुछ का ३१ जनवरी २०२३ तक खत्म हो जाएगा, ऐसे में जबकि ट्रिपल टेस्ट की कार्यवाही कराना बहुत ही दुष्कर है और इसमें काफी लंबा वक्त लगेगा तो यही उचित होगा कि राज्य सरकार और राज्य चुनाव आयोग स्थानीय निकाय चुनाव करने के लिए तत्काल अधिसूचना जारी करे। खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव में अनुसूचित जाति, जनजाति और महिलाओं को संविधान में प्रदत्त व्यवस्था के अनुरूप आरक्षण प्रदान किया जाएगा जबकि सरकार ने अभी तक इस चुनाव के लिए जो सीटें पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित की थी उन्हें सीटें सामान्य श्रेणी के लिए मान कर अधिसूचना जारी की जाये। अधिसूचना जारी करने के कारण के बारे में विस्तार से बताते हुए उच्च न्यायालय ने कहा, भारत के संविधान के अनुच्छेद २४३–यू में कहा गया है कि एक नगर पालिका का गठन करने के लिए इसकी अवधि समाप्त होने से पहले निर्वाचन पूरा किया जाएगा। खंडपीठ ने अपने आदेश में यह भी कहा कि जब डेडीकेटेड कमीशन बनाकर पिछड़ा वर्ग को आरक्षण देने के विषय पर मंथन हो तो ऐसे में 'थर्ड जेंडर' को पिछड़ा वर्ग में आरक्षण देने के बारे में भी विचार किया जाए। अदालत ने राज्य सरकार द्वारा गत १२ दिसंबर को जारी उस शासनादेश को भी खारिज कर दिया जिसके जरिए निकाय का कार्यकाल खत्म होने पर वहां प्रशासक नियुक्त करने की बात कही गई थी। पीठ ने कहा कि राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय के एक आदेश के

आधार पर उक्त व्यवस्था बनाई है जबकि वह आदेश केवल एक वर्ष के लिए २०११ में था जिसे आगे लागू नहीं किया जा सकता। पीठ ने कहा कि जिन निकायों का कार्यकाल खत्म हो रहा है वहां जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कमेटी बनाई जाए यह कमेटी दिन–प्रतिदिन के कार्यों को देखेगी परंतु कोई पलिसी निर्णय नहीं लेगी। गौरतलब है कि लखनऊ पीठ ने एक पखवाड़े से रुके नगर निकाय चुनाव के मुद्दे पर शनिवार को सुनवाई पूरी कर ली थी और कहा था कि वह २७ दिसंबर को अपना फैसला सुनाएगी। अदालत ने मुकदमे की प्रेंति के कारण शीतकालीन अवकाश के बावजूद मामले में सुनवाई की। राज्य सरकार ने इस महीने की शुरुआत में त्रिस्तरीय नगर निकाय चुनाव में १७ नगर निगमों के महापौरों, २०० नगर पालिका परिषदों के अध्यक्षों और ५४५ नगर पंचायतों के लिए आरक्षित सीटों की अनंतिम सूची जारी करते हुए सात दिनों के भीतर सुझाव/आपत्तियां मांगी थी और कहा था कि सुझाव/आपत्तियां मिलने के दो दिन बाद अंतिम सूची जारी की जाएगी। राज्य सरकार ने पांच दिसंबर के अपने मसौदे में नगर निगमों की चार महापौर सीट ओबीसी के लिए आरक्षित की थीं, जिसमें अलीगढ़ और मथुरा–वृंदावन ओबीसी महिलाओं के लिए और मेरठ एवं प्रयागराज ओबीसी उम्मीदवारों के लिए आरक्षित थे। दो सौ नगर पालिका परिषदों में अध्यक्ष पद पर पिछड़ा वर्ग के लिए कुल ५४ सीट आरक्षित की गयी थीं जिसमें पिछड़ा वर्ग की महिला के लिए १८ सीट आरक्षित थीं। राज्य की ५४५ नगर पंचायतों में पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित की गयीं १४७ सीट में इस वर्ग की महिलाओं के लिए अध्यक्ष की ४६ सीट आरक्षित की गयी थीं। उच्च्च न्यायालय का आदेश आने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि सरकार नगर निकाय सामान्य निर्वाचन के परिप्रेक्ष्य में आयोग गठित कर ट्रिपल टेस्ट के आधार पर अन्य पिछड़ा वर्ग के नागरिकों को आरक्षण की सुविधा उपलब्ध करायेगी। मंगलवार को बयान में उन्होंने कहा कि इसके उपरान्त ही नगर निकाय चुनाव सम्पन्न कराया जाएगा और यदि आवश्यक हुआ तो राज्य सरकार उच्च न्यायालय के निर्णय के विरूद्ध उच्चतम न्यायालय में अपील भी करेगी। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने फैसला आने के बाद ट्वीट कर कहा कि नगर निकाय चुनाव के संबंध में उच्च न्यायालय इलाहाबाद के आदेश का विस्तृत अध्ययन कर विधि विशेषज्ञों से परामर्श के बाद सरकार के स्तर पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा,परंतु पिछड़े वर्ग के अधिकारों को लेकर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। सत्तारूढ़ भाजपा के सहयोगी अपना दल (एस) के कार्यकारी अध्यक्ष और उप्र सरकार के मंत्री आशीष पटेल ने पीटीआई– से बातचीत में कहा कि ओबीसी आरक्षण के बिना निकाय चुनाव किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। हम इस संदर्भ में लखनऊ उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए फैसले का अध्ययन कर रहे हैं। जरूरत पड़ी तो पार्टी पिछड़ों के हक के लिए उच्चतम न्यायालय में अपील करेगी। सपा प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने फैसला आने के बाद ट्वीट किया, ''भाजपा निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण के विषय पर घड़ियाली सहानुभूति दिखा रही है। आज भाजपा ने पिछड़ों के आरक्षण का हक छीना है, कल भाजपा बाबा साहब द्वारा दिए गए दलितों का आरक्षण भी छीन लेगी।'' उन्होंने आरक्षण को बचाने की लड़ाई में पिछड़ों व दलितों से सपा का साथ देने की अपील की है। वरिष्ठ सपा नेता एवं पूर्व मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने मंगलवार को ट्वीट किया, ''उत्तर प्रदेश निकाय चुनावों में ओबीसी आरक्षण की समाप्ति का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण है। सामाजिक न्याय की लड़ाई को इतनी आसानी से कमजोर होने नहीं दिया जा सकता है। आरक्षण पाने के लिए जितना बड़ा आंदोलन करना पड़ा था, उससे बड़ा आंदोलन इसे बचाने के लिए करना पड़ेगा। कार्यकर्ता तैयार रहें।'' अदालत के फैसले के बाद बसपा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने ट्वीट किया, उत्तर प्रदेश में बहुप्रतीक्षित निकाय चुनाव में अन्य पिछड़ा वर्ग को संवैधानिक अधिकार के तहत मिलने वाले आरक्षण को लेकर सरकार की कारगुजारी का संज्ञान लेने सम्बंधी उच्च न्यायालय का फैसला सही मायने में भाजपा एवं उनकी सरकार की ओबीसी एवं आरक्षण–विरोधी सोच व मानसिकता को प्रकट करता है। मायावती ने लिखा, उत्तर प्रदेश सरकार को उच्चतम न्यायालय के निर्देश का पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से अनुपालन करते हुए ट्रिपल टेस्ट द्वारा ओबीसी आरक्षण की व्यवस्था को समय से निर्धारित करके चुनाव की प्रक्रिया को अंतिम रूप देना था, जो सही से नहीं हुआ। इस गलती की सजा ओबीसी समाज भाजपा को जरूर देगा।

ओम प्रकाश राजभर का समाजवादी पार्टी कार्यालय में प्रवेश पर प्रतिबंध!

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने एक बार फिर से उत्तर प्रदेश की राजनीति को गरमा दिया है। अब सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर और सपा के बीच एक नया मामला सामने आया है। सुभासपा और सपा के बीच तकरार जग जाहिर है लेकिन तकरार के इस नए तरीके ने यूपी की राजनीति में हलचल बढ़ा दी है। अब तो सपा कार्यालय में ही ओम प्रकाश राजभर के जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया हैं। जी हां, सपा कार्यालय के बाहर का एक वीडियो सामने आया है जो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा है। इस वीडियो में समाजवादी पार्टी के कार्यालय के बाहर ओम प्रकाश राजभर के अंदर जाने पर प्रतिबंध का बड़ा सा पोस्टर लगा दिख दे रहा है। इसे लेकर ओम प्रकाश राजभर के बेटे और सुभासपा के प्रवक्ता अरुण राजभर ने सपा और अखिलेश यादव पर जमकर हमला किया। ये वीडियो लखनऊ स्थित सपा कार्यालय के बाहर का बताया जा रहा है। इस वीडियो में सपा

कार्यालय के बाहर एक बड़ा पोस्टर लगा हुआ है। जिस पर लिखा हुआ है, ओम प्रकाश राजभर जी का समाजवादी पार्टी कार्यालय में आना प्रतिबंधित है। इस संबंध में सूत्रों का कहना है कि, पोस्टर समाजवादी युवाजन सभा की ओर से लगाया गया है। इस वीडियो के वायरल होने के बाद यूपी की राजनीति में हलचल देखी जा रही है। आपको बताना चाहेंगे कि, यूपी विधानसभा चुनाव २०२२ के दौरान दोनों पार्टियों सुभासपा और सपा में गठबंधन हुआ था, लेकिन चुनाव का परिणाम ऐसा आया कि कुछ दिन बाद ही दोनों का गठबंधन भी धराशाही हो गया। ऐसे वक्त में सुभासपा प्रमुख ने भी पूर्व सीएम और सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर जमकर तीखे प्रहार किए थे। यहीं नहीं, सुभासपा प्रमुख राजभर ने कई मौकों पर सीएम योगी आदित्यनाथ की जमकर तारीफ भी की थी, जो सपा को ना गवार थी। जिसके बाद से दोनों के बीच तकरार और भी बढ़ गई। जिसका नतीजा अब सामने भी आ गया है।

भाजपा के आरोपों पर कांग्रेस का पलटवार, नफरत की दुकान चलाने वाले अब मानसिक बेवकूफी के हो गए शिकार

नई दिल्ली। भाजपा ने भूमि खरीद मामले को लेकर सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाड्रा पर जबरदस्त तरीके से हमला किया है। भाजपा के प्रवक्ता गौरव भाटिया ने राजस्थान हाई कोर्ट द्वारा याचिका खारिज किए जाने का हवाला देते हुए गांधी परिवार को कट्टर पापी परिवार और भारतीय राजनीति का सबसे भ्रष्ट परिवार करार दिया। अब इसी पर कांग्रेस का भी पलटवार आया है। कांग्रेस की ओर से रणदीप सिंह सुरजेवाला और पवन खेड़ा ने आज एक प्रेस वार्ता की। इस दौरान दोनों नेताओं ने जबरदस्त तरीके से भाजपा पर निशाना साधा। रणदीप सुरजेवाला ने तो साफ तौर पर कह दिया कि नफरत की दुकान चलाने वाले मानसिक बेवकूफी के भी शिकार हो गए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि राजस्थान के बीकानेर में कांग्रेस की सरकार ने एक हजार बीघा जमीन छीन ली। जबकि सच्चाई इसके उलट है। सुरजेवाला ने आगे कहा कि ८ साल से आप एक जमीन का पर्चा लिए घूम रहे हैं, जब इलेक्शन नजदीक आता है तो आप पर्चा भेज देते हैं। अगर कोई कसूर था तो आप चालान भेज देते। इसके साथ ही कांग्रेस ने कहा कि वाद्रा एवं उनकी कंपनी इस प्रकरण में जालसाजी के शिकार हुए, जबकि

असली कसूरवार भाजपा के लोग हैं। उन्होंने दावा किया कि इस मामले में मोदी सरकार के फरमान पर बाद में प्रवर्तन निदेशालय ने वाद्रा को सम्मन किया जबकि वह खुद इस मामले में पीड़ित पक्ष थे। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि राजस्थान उच्च न्यायालय ने वाद्रा और उनकी कंपनी के खिलाफ प्रतिकूल टिप्पणी नहीं की है। पवन खेड़ा ने कहा कि आज **BJP** ने राजस्थान में जमीन खरीदी के मामले में एक और झूठ बोला जिसमें उन्होंने रॉबर्ट वाड्रा पर गलत तरीके से जमीन खरीदने का आरोप लगाया है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि हरियाणा में जब कांग्रेस की सरकार थी तब भी किसानों की जमीन हड़पी गई। राजस्थान में कांग्रेस सरकार के दौरान भी किसानों की जमीन हड़पी गई। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि किसान से लो, रॉबर्ट वाड्रा को दो'। उन्होंने सवाल किया कि क्या इस लिए राजस्थान सरकार ने जमीन का अधिग्रहण किया था? ये सोचते हैं कि ये कानून से ऊपर हैं... इन्हें मैं स्पष्ट कर दूं कि मोदी जी की ईमानदारी और जांच एजेंसियों के जज्बे के आगे आज भ्रष्टाचारी थर–थर कांप रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि 'ना खाता ना बही, जो सोनिया जी कहें वही सही'। राजस्थान में अशोक गहलोत की सरकार ने 'पापी परिवार' के आदेश पर ऐसे लोगों को भी जमीन अलॉट कर दी जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं है। भ्रष्टाचार को गांधी उर्फ पापी परिवार आसमान तक लेकर गया है।

प्रधानमंत्री मोदी के भाई समेत परिवार के सदस्य मैसुरु के निकट हादसे में घायल हुए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाई प्रह्लाद मोदी और उनके परिवार के सदस्य मैसुरु के निकट कार हादसे में घायल हो गए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि दुर्घटना के वक्त चालक के अलावा प्रह्लाद, उनके पुत्र, पुत्रवधू और एक बच्चा कार में था। ऐसा बताया गया है कि उन्हें कुछ चोटें आई हैं और उन्हें जेएसएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक कि चोटें ''मामूली''बताई जा रही हैं। यह हादसा अपराह्न करीब डेढ़ बजे काडाकोला के निकट हुआ। ऐसा बताया जा रहा है कि बांदीपुर जा रही कार सड़क पर बने डिवाइडर से जा टकराई। सूत्रों ने बताया कि मैसुरु पुलिस अधीक्षक सीमा लटकर ने घटनास्थल और अस्पताल का दौरा किया। अस्पताल के चिकित्सकों ने कहा, "जब वे आए तो सभी की हालात मामूली चोटों के साथ स्थिर थी, उनका तुरंत उपचार किया गया और बिना किसी बड़े रक्तस्राव के खतरे से बाहर हैं। एक्स–रे और सीटी स्कैन किया गया है ... केवल बच्चे के बाएं पैर के टिबिया (पिंडली की हड्डी) में एक छोटा सा फ्रैक्चर हुआ है, लेकिन यह बड़ा नहीं है और इसका उपचार किया जा रहा है।" मैसूरु–कोडागु निर्वाचन क्षेत्र से सांसद प्रताप सिम्हा ने भी अस्पताल का दौरा किया। उन्होंने कहा कि निजी दौरे पर आए परिवार को "मामूली" चोटें आई हैं और बच्चे को मामूली फ्रैक्चर हुआ है। उसका इलाज चल रहा है। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुएकहा, "प्रह्लाद मोदी के चेहरे पर मामूली खरोंच आई है, इसके अलावा कुछ नहीं है, चिंता की कोई बात नहीं है, वह ठीक हैं और बात कर रहे हैं। उनके बेटे को भी मामूली चोटें

आई हैं और वह ठीक है। उनकी बहू को एक तरफ की भौंह पर मामूली चोट लगी है, उनका इलाज चल रहा है। सभी ठीक हैं और होश में हैं। बच्चे की बाएं घुटने के नीचे की हड्डी टूट गई है, लेकिन वह स्थिर है।" सिम्हा ने कहा कि प्रह्लाद मोदी की बेटी दूसरी कार में थी और वह ठीक है। उन्होंने कहा, "निगरानी के लिए, वे (मोदी) आज अस्पताल में रहेंगे। देवी चामुंडेश्वरी की कृपा से सभी ठीक हैं।" सिम्हा के मुताबिक, हो सकता है कि यह घटना इसलिए हुई हो क्योंकि चालक को थोड़ी देर के लिए नींद आने लगी थी। मैसूर दक्षिण थाने में इस संबंध में मामला दर्ज किया गया है।

उद्धव ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार को शीर्ष अदालत से विवादित क्षेत्रों को केंद्र शासित प्रदेश बनाने के लिए कहना चाहिए

मुम्बई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार को उच्चतम न्यायालय से अनुरोध करना चाहिए कि जब तक महाराष्ट्र–कर्नाटक के बीच सीमा का मसला उसके पास लंबित है, तब तक सभी विवादित क्षेत्रों को केंद्र शासित प्रदेश घोषित कर दिया जाए। राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों द्वारा सीमा विवाद पर प्रस्ताव पारित किए जाने पर ठाकरे ने यहां संवाददाताओं से बातचीत करते हुए महाराष्ट्र सरकार को बधाई दी। उन्होंने कहा, हम महाराष्ट्र के हित में हर उपाय का समर्थन करेंगे। दोनों सदनों ने सर्वसम्मति से मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव को पारित कर दिया। इस प्रस्ताव में कहा गया है कि सरकार८६५ मराठी भाषी गांवों को महाराष्ट्र में शामिल करने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ेगी। ये गांव फिलहाल कर्नाटक का हिस्सा हैं। दक्षिणी राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों में मराठी भाषी लोगों के लिए कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने के शिंध्दे सरकार के ऐलान

पर ठाकरे ने पूछा कि क्या कर्नाटक सरकार इसकी अनुमति देगी? क्योंकि वह तो महाराष्ट्र के नेताओं को वहां प्रवेश ही नहीं करने दे रही है। ठाकरे ने कहा कि जब उन्होंने मांग की कि कर्नाटक में बेलगावी जैसे विवादित क्षेत्रों को केंद्र शासित प्रदेश घोषित किया जाए, तो महाराष्ट्र सरकार ने कहा कि शीर्ष अदालत ने २००८ में इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा, "लेकिन अब वह स्थिति नहीं है जो २००८ में थी।" शिवसेना (यूबीटी) नेता ने कहा कि २००८ के बाद, कर्नाटक सरकार ने बेलगाम का नाम बदलकर बेलगावी कर दिया और इसे दूसरी राजधानी का दर्जा दे दिया और ये उच्चतम न्यायालय के २००८ के निर्देशों का उल्लंघन है। ठाकरे ने कहा कि इसलिए, महाराष्ट्र सरकार को शीर्ष अदालत में एक नई रिट याचिका दायर करनी चाहिए और कानूनी समाधान लंबित होने तक विवादित क्षेत्र को केंद्र शासित प्रदेश घोषित करने की मांग करनी चाहिए। इस बीच, प्रदेश कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने कहा कि एकनाथ शिंदे सरकार कर्नाटक के सीमावर्ती क्षेत्रों में मराठी भाषी आबादी के साथ हो रहे अन्याय का प्रभावी ढंग से जवाब देने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने फिर भी इस आबादी की भावनाओं को देखते हुए प्रस्ताव का समर्थन किया।

ठाकुर ने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब भारत ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए तैयार होगा

नई दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने सोमवार को कहा कि वह दिन दूर नहीं जब भारत ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने के लिए तैयार होगा। ओलंपिक खेलों को भारत में आयोजित किये जाने की संभावना के बारे में पूछे

गये सवाल के जवाब में ठाकुर ने यहां संवाददाताओं को बताया, ''भारत में सब कुछ संभव है। और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत किसी भी बड़े आयोजन के लिए तैयार है।'' उन्होंने आगे कहा, ''जी–२० की अध्यक्षता ही अपने आप में यह संदेश देती है कि भारत नई ऊंचाइयों पर है। नए भारत के निर्माण में मोदी जी लगे हुए हैं और उसमें खेलों की बड़ी भूमिका है।'' ठाकुर ने कहा, ''वह दिन दूर नहीं जब भारत ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने के लिए तैयार होगा।'' उनसे सवाल किया गया था कि देश पहले ही एशियाड और राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी कर चुका है, तो क्या भारत में ओलंपिक के आयोजन की संभावना है और क्या उस स्तर की अध ोसंरचना भारत में है कि ओलंपिक खेल का आयोजन हो सके। ठाकुर ने मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में उपलब्ध खेल सुविधाओं की प्रशंसा की। वह यहां मध्यप्रदेश शिखर खेल अलंकरण समारोह में भाग लेने आये हुए थे। ठाकुर ने इस अवसर पर ३० जनवरी से ११ फरवरी २०२३ तक मध्यप्रदेश में होने वाले पांचवें खेलो इंडिया यूथ गेम्स–२०२२ का प्रतीक चिह्न का अनावरण किया। इस समारोह में शामिल होने से पहले उन्होंने यहां घुड़सवारी अकादमी, निशानेबाजी अकादमी, जल खेल अकादमी, टीटी नगर स्टेडियम और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) का भी निरीक्षण किया।

प्रतापगढ़ में युवक–युवती का शव पेड़ से लटका मिला, हत्या की आशंका

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ जिला मुख्यालय से ३० किलोमीटर दूर जेठवारा थाना क्षेत्र के एक गांव में मंगलवार को एक युवक–युवती का शव पेड़ पर फंदे से लटका मिला। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जेठवारा के थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) अभिषेक ने बताया कि क्षेत्र के बलापुर गांव के बाहर एक युवक–युवती का शव पेड़ पर फंदे से लटका मिला। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को अपने कब्जे में लिया। उनकी पहचान गांव के शिवम पटेल (१६) और कल्पना पटेल (१८) के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि दोनों एक ही जाति से थे और सम्भवतः एक दूसरे से प्रेम करते थे। किसी पक्ष की तरफ से कोई शिकायत नहीं मिली है। एसएचओ ने कहा कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर विधिक कार्यवाही व घटना की जांच की जा रही है। हालांकि ग्रामीणों ने मामले में हत्या की आशंका जताई है।

मंगलुरु विस्फोट पर बोम्मई ने कहा, कांग्रेस आंतकवाद के मुद्दे को हल्का नहीं करे

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसावराज बोम्मई ने मंगलवार को कांग्रेस से कहा कि वह राज्य में आतंकवाद के मुद्दे को हल्का नहीं करे। कर्नाटक में आतंकवादी गतिविधियों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव सी.टी.रवि ने विधानसभा में चर्चा की शुरुआत की और इस दौरान बोम्मई की यह टिप्पणी सामने आई। सत्तारूढ़ भाजपा ने आरोप लगाया है कि कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष एवं कनकपुरा से विधायक डी.के. शिवकुमार ने पुलिस महानिदेशक(डीजीपी) प्रवीण सूद की ईमानदारी पर सवाल उठाया है। भाजपा ने शिवकुमार की उस टिप्पणी पर आपत्ति जताई है जिसमें कथित तौर पर कहा गया था कि १६ नवंबर को मंगलुरु में हुआ कुकर बम विस्फोट कथित मतदाता डाटा चोरी से जनता का ध्यान भटकाने के लिए था। रवि ने मंगलुरु में कुकर बम विस्फोट सहित कर्नाटक में आतंकवाद संबंधी गतिविधियों को रेखांकित किया और आरोप लगाया कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सूद की ईमानदारी पर सवाल उठा रहे हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने सभी तरह की चोरी देखी है, लेकिन मतदाता डाटा चोरी नहीं देखी है जिसमें

एक निजी संगठन मतदाताओं का डाटा चोरी करने के लिए आठ हजार ब्लक स्तर के अधिकारियों को नियुक्त करता है। उन्होंने कहा, ''हमने आतंकवाद में अपने नेताओं को खोया है और हम इसका विरोध करते हैं।'' मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि शिवकुमार द्वारा मंगलुरु विस्फोट पर दिया गया बयान ऐसा प्रतीत होता है कि वह आरोपी को निर्दोष बता रहे हैं। उन्होंने रेंखाकित किया कि मामले की गंभीरता का इसी से अंदाजा लगाया जा सकता कि प्रकरण की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) कर रही है। बोम्मई ने शिवकुमार के मतदाताओं का आंकड़ा चोरी करने के आरोप को भी खारिज करते हुए कहा कि मतदाताओं के नाम जोड़ने और हटाने का काम हम नहीं करते और यह भाजपा की संसेंति का हिस्सा नहीं है। उन्होंने कहा, ''हम मतदाताओं के मामले में कदम उठाएंगे। हमें छिपाने की जरूरत नहीं है, लेकिन आपसे कहते हैं कि आतंकवाद के मुद्दे को हल्का न बनाए।'' इस चर्चा में हिस्सा लेते हुए राज्य के गृहमंत्री अरगा ज्ञानेंद्र ने कहा कि पुलिस महानिदेशक की ईमानदारी पर सवाल उठाया गया। उन्होंने कहा, '' पुलिस महानिदेशक की ईमारदारी पर उनके बयान की वजह से सवाल उठाया गया, लेकिन राज्य की कानून व्यवस्था पर डीजीपी नहीं बात करेंगे तो कौन करेगा? मैं ऐसे बयान की निंदा करता हूं।

पुलिस ने कहा कि तुनिषा शर्मा का आरोपी शीजान खान के साथ तीन महीने से अफेयर था

मुंबई। सह–अभिनेत्री तुनिषा शर्मा को आत्महत्या के लिए कथित रूप से उकसाने के आरोप में गिरफ्तार अभिनेता शीजान खान ने जांचकर्ताओं को बताया कि उसके और तुनिषा के बीच प्रेम संबंध थे, पर यह ज्यादा दिन तक नहीं चल पाया और तीन महीने में ही खत्म हो गया। वसई के पुलिस अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि खान ने दोनों के बीच उम्र के फासले के बारे में भी बात की। अधिकारी ने कहा कि अभी तक ऐसा कुछ भी नहीं बताया गया है कि खान और शर्मा ने श्रद्धा वालकर हत्याकांड की पृष्ठभूमि में अलग होने का फैसला किया, जिसमें श्रद्धा के लिव–इन पार्टनर आफताब पूनावाला को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के पालघर जिले में पुलिस ने १६ लोगों के बयान दर्ज किए हैं, जहां शनिवार को यह घटना हुई थी। तुनिषा (२१) 'अली बाबाः दास्तान–ए–काबुल' में काम कर रही थीं, लेकिन शनिवार को पालघर जिले में टेलीविजन धारावाहिक के सेट पर पहुंचीं तुनिषा का शव वहां शौचालय में फंदे से लटका मिला था। इसके बाद उनके सह–अभिनेता शीजान खान को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में रविवार को गिरफ्तार किया गया। इस बीच खान को वसई की एक अदालत में पेश किया गया जहां से उसे बुधवार तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। अधिकारी ने कहा, "खान ने पुलिस को बताया कि वह और शर्मा प्रेम संबंध में थे जो ज्यादा दिन न चल पाने के कारण तीन महीने में खत्म हो गया। खान ने हमें बताया कि दोनों के बीच उम्र का फासला था, क्योंकि खान २७ साल का था और तुनिषा २१ साल की थी।" उन्होंने कहा कि हालांकि उनका रिश्ता खत्म हो गया था, लेकिन दोनों के बीच अच्छे संबंध थे और बात भी करते थे। पुलिस खान द्वारा किए गए दावों की पुष्टि कर रही है। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि पुलिस शर्मा और खान के व्हाट्सएप संदेश और कॉल रिकॉर्ड की पुष्टि कर रही है। यह पूछे जाने पर कि क्या शर्मा गर्भवती थीं, जांच दल के एक अधिकारी ने कहा कि प्रारंभिक विसरा जांच में गर्भावस्था का कोई संकेत नहीं था।

सांसद मीणा ने पेपर लीक प्रकरण की जांच सीबीआई से करवाने की मांग की

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य किरोड़ी लाल मीणा ने राजस्थान के शिक्षक भर्ती परीक्षा के पर्चा (प्रश्नपत्र) लीक मामले की मंगलवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच करवाने की मांग की। उन्होंने यहां संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि इस पेपर लीक प्रकरण में राज्य सरकार के कई मंत्री और विधायक शामिल हैं इसलिए मामले की निष्पक्ष जांच के लिए सीबीआई जांच की जरूरत है। उन्होंने कहा,'' नहीं तो, लोगों को अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ेगा।'' मीणा ने कहा, मेरा आरोप है कि राजस्थान लोकसेवा आयोग (आरपीएससी) भ्रष्टाचार का केंद्र बना हुआ है। यह पेपर लीक आरपीएससी से लीक हुआ है। मेरी मांग है कि मामले की सीबीआई जांच करवाई जाए।'' उन्होंने आगे कहा,''पेपर लीक में मंत्री और विधायक भी शामिल हैं।

इसलिए मेरी मांग है कि इसकी सीबीआई जांच होनी चाहिए।'' मीणा ने यह भी कहा कि आरपीएससी के अध्यक्ष को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए। उल्लेखनीय है कि पुलिस ने द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा में नकल गिरोह का पर्दाफाश करते हुए रविवार को मुख्य षडयंत्रकारी सहित कुल ५५ लोगों को गिरफ्तार किया। इस मामले में दो प्रकरण दर्ज किए गए हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार लोगों में एक स्कूल प्रधानाध्यापक सुरेश विश्नोई, एमबीबीएस छात्र भजनलाल और रायता राम चौधारी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कहा कि इस मामले में एक कोचिंग सेंटर संचालक सुरेश ढाका का नाम भी सामने आया है जो अभी गिरफ्तार नहीं हुआ है। आयोग ने यह प्रकरण सामने आने के बाद शिक्षक भर्ती परीक्षा के सामान्य ज्ञान विषय की परीक्षा निरस्त कर दी जिसे अब अगले महीने फिर करवायी जाएगी।

सुशांत सिंह राजपूत की मौत पर नए दावे के बाद बहन ने लगाई पीएम मोदी से गुहार, 'कूपर अस्पताल के स्टाफ की करें सुरक्षा'

मुंबई। १४ जून २०२२ को दोपहर में जब सुशांत सिंह राजपूत की मौत की खबर आयी तब हर कोई चौंक गया। किसी को यकीन नहीं था इतना होनहार और हिट एक्टर आखिर क्यों जिंदगी से इतना परेशान हो गया कि उनके मौत को गले लगा लिया। सुशांत सिंह रात पूत की मौत कैसे हुई ये बात आज भी एक राज है। अब ढ़ाई साल बाद जून २०२० में सुशांत सिंह राजपूत का पोस्टमर्टम करने वाले मुंबई के सरकारी अस्पताल के एक पूर्व कर्मचारी ने दावा किया कि अभिनेता ने खुदकुशी नहीं की और उनके शव पर चोट के निशान थे। कूपर अस्पताल से पिछले महीने सेवानिवृत्त हुए रूपकुमार शाह ने अपने दावों के समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया। राजपूत १४ जून, २०२० को उपनगरीय बांद्रा में अपने फ्लैट में फंदे से लटके पाए गए थे। शवगृह सहायक के रूप में काम कर चुके शाह ने समाचार चौनल से कहा, ''जब मैंने राजपूत के शव को देखा तो चोट के निशान थे और किसी दबाव के कारण गर्दन के चारों ओर कुछ निशान थे। मैं करीब २८ साल से शव परीक्षण कर रहा था। गला घोंटने और फंदा से लटकने के निशान अलग–अलग होते हैं।'' शाह ने कहा कि वह इस मामले के बारे में अब बोल रहे हैं, क्योंकि वह इस साल नवंबर में सेवा से सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने दावा किया, ''जब मैंने राजपूत के शव पर अलग–अलग निशान देखे तो मैंने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने मुझे नजरअंदाज कर दिया। सुशांत सिंह राजपूत की बहन श्वेता सिंह कीर्ति जो अकसर सुशांत के फैंस के साथ सोशल मीडिया के जरिए रूबरू होती रहती हैं। उन्होने एक रूपकुमार शाह का बयान पोस्ट करते हुएपीएम मोदी से इंसाफ की अपील की है। पुलिस सुशांत की मौत को आत्महत्या बताकर केस बंद कर चुकी है। मगर, अब अटॉप्सी स्टाफ के मेंबर का यह दावा किए जाने पर कि 'सुशांत ने आत्महत्या नहीं की थी, बल्कि उनका मर्डर हुआ था', ऐसे में सुशांत की बहन श्वेता सिंह कीर्ति ने रूपकुमार की सुरक्षा को लेकर मांग की है। इस बारे में उन्होंने पीएम मोदी को मेंशन कर ट्वीट भी किया है। सुशांत की आखिरी तस्वीरों में उनके चहरे और माथे पर चोटें थी लेकिन पुलिस ने इस मामले को आत्महत्या कहा था। काफी हंगामा भी हुआ लेकिन पुलिस अपने बयान पर कायम रही। कंगना रनौत खुलकर सुशांत सिंह राजपूत के साथ खड़ी हुई और उन्होंने कड़े शब्दों में ये कहा कि यह आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या हैं। महीनों तक खूब हंगाना हुआ और केस सीबीआई को सौंप दिया गया था लेकिन तब–तक सीबीआई के पास जांच करने के लिए कुछ बचा ही नहीं था।

सोनभद्र में महिला से दुष्कर्म का वीडियो बनाया

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के बभनी थाना क्षेत्र के एक गांव में एक युवक द्वारा एक महिला (बउंद) के साथ कथित तौर पर लगातार कई दिनों तक दुष्कर्म करने और घटना का वीडियो बनाकर उसे सार्वजनिक करने की धमकी देने का मामला सामने आया है। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पीड़ित महिला की तहरीर पर पुलिस ने शनिवार रात आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की प्रासंगिक धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। बभनी थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) मनोज कुमार सिंह ने बताया कि क्षेत्र के एक गांव की महिला ने मचबंधवा गांव के रहने वाले सुनील कुमार पर उसके साथ दुष्कर्म करने और घटना का वीडियो बनाकर उसे सार्वजनिक करने की धमकी देने का आरोप लगाया है। सिंह के मुताबिक, महिला ने पुलिस में दर्ज शिकायत में कहा है कि उक्त व्यक्ति ने पहले उसके साथ दुष्कर्म किया और फिर घटना का वीडियो बनाकर उसे वायरल करने की धमकी देकर लगातार कई दिनों तक जबरन संबंध बनाता रहा। महिला की तहरीर के अनुसार, आरोपी ने पहली बार छह अगस्त को उसे अपनी हवस का शिकार बनाया और इसके बाद लगातार धमकी देकर दुष्कर्म करता रहा। शिकायत के मुताबिक, महिला ने घटना की जानकारी अपने पति को दी, जिसके बाद दोनों पुलिस के पास पहुंचे। एसएचओ ने बताया कि तहरीर के आधार पर पुलिस ने शनिवार रात आरोपी सुनील कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि आरोपी की तलाश की जा रही है।

मथुरा में भी सर्वे का आदेश

मथुरा। वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद की तरह मथुरा में भी अदालत ने सर्वे करने का आदेश दिया है। मथुरा की सीनियर डिवीजन कोर्ट ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि व शाही ईदगाह विवाद को लेकर ज्ञानवापी मामले की तरह ही यहां भी सर्वे का आदेश दिया है। अदालत ने हिंदू सेना के दावे पर अमीन को ईदगाह का सर्वेक्षण करने का आदेश दिया है। सर्वेक्षण का काम दो जनवरी से शुरू होगा। अदालत ने इस मामले में सुनवाई के लिए अगली तारीख २० जनवरी तय की है। अमीन को इससे पहले संबंधित रिपोर्ट अदालत में दाखिल करने का निर्देश दिया गया है। हिंदू सेना का दावा है कि शाही ईदगाह में स्वास्तिक का निशान मिला है साथ ही उसका यह भी दावा है कि मंदिर होने के प्रतीक के साथ मस्जिद के नीचे भगवान का गर्भ गृह है। पक्षकार मनीष यादव और वकील महेंद्र प्रताप ने कहा कि शाही ईदगाह में हिंदू स्थापत्य कला के सबूत मौजूद हैं। ये वैज्ञानिक सर्वे के बाद सामने आ जाएंगे। सर्वेक्षण कराने की

याचिका मथुरा के जिला अदालत में एक साल पहले दाखिल की गई थी। वादी के वकील ने बताया कि आठ दिसंबर को दिल्ली निवासी हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता व उपाध्यक्ष सुरजीत सिंह यादव ने सिविल जज सीनियर डिवीजन तृतीय की जज सोनिका वर्मा की अदालत में दावा किया गया था कि श्रीकृष्ण जन्मस्थान की १३.३७ एकड़ जमीन पर औरंगजेब द्वारा मंदिर तोड़कर ईदगाह तैयार कराई गई थी। याचिकाकर्ताओं ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म से लेकर मंदिर बनने तक का पूरा इतिहास अदालत के सामने पेश किया। साथ ही उन्होंने साल १९६८ में श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संघ बनाम शाही ईदगाह के बीच हुए समझौते को भी अवैध बताते हुए उसे निरस्त किए जाने की मांग की है। हिंदू सेना की तरफ से अधिवक्ता शैलेश दुबे ने अदालत में भगवान श्री कृष्ण के जन्म से लेकर मंदिर बनने तक का पूरा इतिहास रखा। उन्होंने बताया कि अदालत के सामने आठ दिसंबर को कोर्ट में वाद दाखिल किया उसी दिन कोर्ट ने केस दर्ज कर लिया। इस मामले में कोर्ट ने अमीन से विवादित स्थल के सर्वे मय मानचित्र के आदेश किए हैं।

यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के लिए मोदी को न्यौता

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने लखनऊ में १०–१२ फरवरी, २०२३ को होने वाले यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट पर चर्चा और अब तक की तैयारियों पर अपडेट साझा किया। सूत्र ने कहा कि आदित्यनाथ और मोदी से उत्तर प्रदेश में एमएलसी चुनाव के बारे में बात की गई थी। आधिकारिक अपडेट के अनुसार, वैश्विक शिखर सम्मेलन के लिए कुछ ही हफ्ते

की। भाजपा के एक सूत्र ने कहा, जैसे–जैसे शिखर सम्मेलन नजदीक आ रहा है, उत्तर प्रदेश के साथ–साथ केंद्रीय नेतृत्व के साथ कई बैठकें हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री को निमंत्रण दिया बचे हैं, उत्तर प्रदेश लगभग ७ लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त करने में कामयाब रहा है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में विभिन्न प्रकार के निवेश प्रस्तावों पर हाथ आजमाने के लिए राज्य के प्रतिनिधि भी विदेश यात्रा कर रहे हैं।

धर्म परिवर्तन के लिए उकसाने पर पादरी सहित दो गिरफ्तार

बलिया। रामपुर जिले के पटवाई थाना क्षेत्र के सोहना गांव में क्रिसमस के मौके पर दलित समाज के लोगों को एकत्र कर धर्म परिवर्तन का उपदेश देने के आरोप में एक पादरी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उधर, बलिया में दलित समुदाय के लोगों को ईसाई धर्म में धर्मांतरित कराने के कथित प्रयास में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि पादरी पोलूस मसीह को एक ग्रामीण राजीव यादव की शिकायत पर रविवार देर रात गिरफ्तार किया गया। यादव ने पुलिस को दी गयी तहरीर में पादरी पर गांव के अनुसूचित जाति (दलित समाज) के लोगों को प्रलोभन देकर धर्मांतरण के लिए उकसाने का आरोप लगाया था। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में राजीव यादव द्वारा दी गयी तहरीर के आधार पर पादरी के खिलाफ उत्तर प्रदेश धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, २०२१ की धारा तीन एवं पांच (एक) के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) डॉ. संसार सिंह ने बताया कि पटवाई थाना प्रभारी हरेंद्र यादव को सूचना मिली थी कि सोहना गांव में सिविल लाइन थाना क्षेत्र का निवासी एक पादरी पोलूस मसीह अनुसूचित जाति के लोगों को इकट्ठा कर उनको धर्म परिवर्तन के लिए उकसा रहा है। एएसपी ने बताया कि उसी गांव के राजीव यादव की शिकायत पर थानाध्यक्ष ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पादरी को गिरफ्तार कर लिया और विधिक प्रक्रिया पूरी कर उसको जेल भेज दिया। वहीं, बलिया से मिली खबर के अनुसार जिले के सिकंदरपुर थाना अंतर्गत मालदह पुलिस चौकी के प्रभारी शिव मूर्ति तिवारी ने सोमवार को बताया कि थाना क्षेत्र के तिलौली गांव में रविवार को पुलिस ने राम निवास नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि राम निवास पर रविवार को धर्म परिवर्तन कराने का प्रयास करने के मामले में लोक शांति भंग करने के आरोप में कार्रवाई की गई है। तिवारी ने बताया कि आरोपी गांव के दलित वर्ग के लोगों को ईसाई धर्म में धर्मांतरित करने का प्रयास कर रहा था और इसके लिए बहुत दिनों से पूजा आदि के जरिए प्रयास कर रहा था। उन्होंने बताया कि राम निवास द्वारा रविवार को क्रिसमस के मौके पर धर्म परिवर्तन कराने का प्रयास करने को लेकर ग्रामीणों ने पुलिस को जानकारी दी थी। गौरतलब है कि विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम–२०२१ के मुताबिक उत्तर प्रदेश में गैरकानूनी तरीके से धर्म परिवर्तन कराने या पहचान छिपाकर शादी करने के मामले में सख्त सजा का प्रावधान है। इसके तहत शादी से पूर्व धर्म परिवर्तन के लिए दो महीने पहले नोटिस देना होगा। अगर कोई अपना नाम और धर्म छिपाकर शादी करता है, तो उसे १० साल की जेल की सजा हो सकती है। कानून के तहत, महिला, अनुसूचित जाति–जनजाति का अवैध रूप से धर्म परिवर्तित कराने पर दो साल से १० साल तक की जेल का प्रावधान है। धर्मगुरु अगर धर्म परिवर्तन कराता है तो उसे जिलाधिकारी से अनुमति लेनी होगी। धर्म परिवर्तन करने वाले को भी जिलाधिकारी से अनुमति लेनी होगी। अगर कोई सामूहिक रूप से धर्म परिवर्तन कराता है तो उसे १० साल की सजा और ५० हजार का जुर्माना देना होगा। अगर कोई संगठन ऐसा कराता है तो उसकी मान्यता रद्द हो सकती है।

जनपद क्षेत्र में फल फूल रहा अवैध लकड़ी कटान का धंधा

कृष्ण कुमार शुक्ला अद्भुत समाचार नेटवर्क

लखीमपुर–खीरी। वृक्ष बचे तो पर्यावरण भी बचा रहेगा, लेकिन फूलबेहड़ क्षेत्र में लकड़ी माफिया द्वारा क्षेत्र में पेड़ों का कटान धड़ल्ले से किया जा रहा है। क्षेत्र के ग्रामीणों की दबी जुबान में स्थानीय लोगों की माने तो जिन पर पेड़ों को बचाने की जिम्मेदारी है, उनकी मिलीभगत से ही पेड़ धड़ल्ले से काटे जा रहे हैं वहीं वन विभाग के आला अफसर हमेशा की तरह अपना रटा रटाया बयान जांच और कार्रवाई की बात करते हैं। रेंज क्षेत्र में लकड़ी माफिया और वन विभाग, पुलिस और राजस्व विभाग के कर्मचारियों की जुगलबंदी से पेड़ों को काटा जा रहा है। जिसके बाद हरे भरे पेड़ों को ठिकाने लगाया जाता है। सूत्रों की माने तो जनपद के धौरहरा, मोहम्मदी, गोला गोकर्णनाथ, पालिया संपूर्णानगर, निघासन, सिंगाही फूलबेहड़ क्षेत्र से कीमती लकड़ी की तस्करी का ये खेल काफी लंबे समय से चल रहा है। लकड़ी माफिया रोजाना लाखों के वारे न्यारे करते हैं। ऐसा नहीं है कि वन विभाग के अधिकारी लकड़ी तस्करी से अंजान हैं। जनपद के क्षेत्र में हो रहे अंधाधुंध प्रतिबंधित पेड़ों व बगैर परमिट हरे भरे पेड़ो के कटान को देखते हुए संबंधित विभाग कर्मियों व लकड़ कट्टों से जुगलबंदी की चर्चा क्षेत्र में जोरों पर है यही नहीं उच्च अधिकारियों से शिकायत के बाद कार्यवाही की खानापूर्ति महज दिखावा बनकर रह गई क्योंकि कई मामलों में वन कर्मचारियों व राजस्व कर्मियों और पुलिसकर्मियों द्वारा की गई कार्यवाही का दिखावा करने के बाद ठेकेदारों को अभय दान देना कर्मियों की संलिप्तता को उजागर कर रहा है। बता दे कि ऐसा ही एक मामला फूलबेहड़ क्षेत्र के ग्राम पयाग के मजरा टेढ़ी में देखने को मिला जहां खुलेआम सरकारी खलिहान की जमीन पर लगे हरे भरे पेड़ काटे गये। कुछ ग्रामीणों के विरोध और मीडिया तक सूचना पहुंचने के बाद लेखपाल ने पहुंचकर कटान को रुकवा दिया। और वहां पर काटे गये तीन चार पेड़ों की लकड़ी को लकड़ कट्टों के हाथों सौंप कर चले गए। जबकि बगैर परमीशन लकड़ी काटने वाले के खिलाफ तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए।

विभाग कर्मियों की लकड़कट्टो से जुगलबंदी पर्यावरण के लिए बनी बड़ा खतरा

पुलिस लॉक–अप में महिला की बेरहमी से पिटाई

कानपुर। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें कानपुर में एक पुलिस अधिकारी हवालात में एक महिला को बेरहमी से पीटता नजर आ रहा है। समाजवादी पार्टी के ट्विटर अकाउंट पर वीडियो साझा किया गया है, इस वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों में आक्रोश फैल गया है। दो मिनट से अधिक लंबे इस फुटेज में महिला मदद के लिए भीख मांगती और दर्द से चिल्लाती दिख रही है, जबकि पुलिस अधिकारी उसको बेरहमी से पीट रहा है। पुलिस अधिकारी स्पष्ट रूप से समझ रहा है ये सब रिकर्ड किया जा रहा है और वह यह कहते हुए अपना बचाव करने की कोशिश करता है, आप लोग पुलिस के साथ सही व्यवहार नहीं कर रहे हैं, आप जो भी कर रहे हैं वह गलत है। समाजवादी पार्टी ने घटना की निंदा की है और पुलिस अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई और जांच की मांग की है।

मुख्यमंत्री से पश्चिमी नौसेना कमान के एफओसी–इन–सी ने की मुलाकात

लखनऊ। वाइस एडमिरल अजेंद्र बहादुर सिंह, फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग–इन–चीफ, पश्चिमी नौसेना कमान ने लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से

मुलाकात की। राज्य के युवाओं/आबादी में भारतीय नौसेना के बारे में जागरूकता फैलाने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, वाइस एडमिरल अजेंद्र बहादुर सिंह ने मुख्यमंत्री से आईएनएस गोमती और लखनऊ के बीच ऐतिहासिक संबंध के आधार पर 'नौसेना शौर्य वाटिका' को जल्द अंतिम रूप देने का अनुरोध किया। हाल ही में डीकमिशन किए गए पोत आईएनएस गोमती ने ३४ वर्षों तक भारतीय नौसेना की सेवा की। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि परियोजना की शीघ्र प्रगति से पर्यटन क्षमता बढ़ेगी और भारतीय नौसेना के संपर्क में भी वृद्धि होगी। बातचीत से पहले, सीएनसी ने उत्तर प्रदेश के पर्यटन विभाग के अधिकारियों के साथ स्मारक के निर्माण के लिए विभिन्न संभावित स्थलों का भी दौरा किया। आईएनएस गोमती गोदावरी क्लास गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट का आखिरी था और राष्ट्र के लिए ३४ साल की शानदार सेवा के बाद २८ मई २०२२ को डीकमीशन किया गया था। गोदावरी वर्ग के फ्रिगेट पूरी तरह से भारतीय नौसेना के नौसेना डिजाइन निदेशालय द्वारा डिजाइन किए गए थे और एमडीएल द्वारा स्वदेशी रूप से निर्मित किए गए थे। आईएनएस 'गोमती' का नाम उत्तर भारत की प्रसिद्ध नदी के नाम पर रखा गया था। पोत का क्रेस्ट, नीले रंग में, गोमती नदी के तट पर खड़े लखनऊ में 'छत्तर मंजिल' को दर्शाता है।

तत्कालीन लखनऊ बीएसए विजय प्रताप सिंह बहाल

लखनऊ। राजधानी के तत्कालीन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विजय प्रताप सिंह पर सेंटेनियल स्कूल के भवन पर मेथोडिस्ट प्राइमरी विद्यालय की मान्यता के मामले में लापरवाही के आरोप निराधार पाये गये हैं। जिसके बाद शासन ने उन्हें मंगलवार को बहाल कर दिया है। इस संबंध में प्रमुख सचिव माध्यमिक व बेसिक दीपक कुमार की ओर से भी आदेश भी जारी कर दिया गया है। दरअसल बीएसए रहे विजय प्रताप सिंह पर तैनाती के अवधि के दौरान सेंटेनियल स्कूल के भवन पर मैथोडिस्ट चर्च स्कूल, गोलागंज के नाम से कक्षा १ से ५ तक की मान्यता दिये जाने सम्बन्धी प्रकरण में लापरवाही बरतने के आरोप में दोषी मानते हुए शासन ने उन्हें निलंबित कर दिया था। आरोप था कि जिस भवन में सेंटेनियल स्कूल नाम से पहले माध्यमिक कॉलेज चल रहा था उसी भवन में मेथोडिस्ट के नाम से मान्यता दी गई थी। निलंबन के बाद मामले की जांच लखनऊ मंडल जेडी माध्यमिक सुरेन्द्र तिवारी मामले की जांच कर रहे थे। जांच में विजय प्रताप सिंह पर लापरवाही के आरोप साबित नहीं हुए तो उन्हें शासन की ओर से बहाल कर दिया गया है। दरअसल राजधानी के कैसरबाग निकट स्कूल गोलागंज में सेंटेनियल कॉलेज चल रहा था। इसी भवन पर कथित प्रबंधन की ओर से मैथोडिस्ट चर्च स्कूल, गोलागंज के नाम से कक्षा एक से ५ तक मान्यता प्रदान की गई थी।

मान्यता लेने वाले स्कूल प्रबंधन ने पहले से चल रहे सेंटेनियल स्कूल के बच्चों को बाहर निकाल दिया था। इसके बाद मामले ने तूल पकड़ा तो पता चला कि यहां पर कॉलेज पहले से चल रहा है। जिसमें प्रथम दृष्टि में तत्कालीन बीएसए विजय प्रताप सिंह को दोषी माना गया था। मामला खुलासा होने के बाद तत्कालीन बीएसए विजय प्रताप सिंह, तत्कालीन एडीबेसिक पीएन सिंह को निलंबित कर दिया गया था। लेकिन जांच में पाया गया कि सारा खेल गुमराह करते हुए कथित प्रबंधन ने किया था।

कुलपति आलोक राय का बढ़ सकता है कार्यकाल

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक राय का एक बार फिर से कार्यकाल बढ़ सकता है। इस संबंध में राजभवन में चर्चा हो चुकी है। ये निर्णय आलोक राय का पिछला कार्यकाल देखते हुए लिया जा सकता है। राजभवन के आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक २६ दिसंबर को होने वाली बैठक में स्थिति साफ हो जाएगी। हालांकि लखनऊ विश्वविद्यालय में अगला कुलपति कौन होगा? इसको लेकर काशी विद्यापीठ के कलपति आनंद त्यागी का भी नाम चल रहा है। लेकिन प्रोफेसर आलोक राय की कार्यशैली को देखते हुए उनके नाम पर मुहर लग सकती है। बता दे कुलपति प्रोफेसर आलोक राय

ने कड़ी मेहनत करते हुए अपनी पूरी टीम के साथ मिलकर लखनऊ विश्वविद्यालय को नेक मूल्यांकन में ए डबल प्लस की ग्रेडिंग दिलाने का कार्य किया है। विश्वविद्यालय के इतिहास में यह सबसे बड़ी उपलब्धि है, जिसे हमेशा याद किया जाएगा। इसके अलावा उनके कार्यकाल में विश्वविद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था पर भी कभी प्रश्नचिन्ह नहीं लगा, शिक्षकों के प्रमोशन से लेकर के छात्रों की समस्या को सुनने के लिए छात्रों को सीधा मंच देते हुए उनसे सीधी वार्ता करना, जरूरतमंद छात्रों के लिए वीसी केयर फंड की शुरुआत करना जैसे तमाम ऐसे कार्य हैं जो आलोक राय की विश्वविद्यालय के लोगों को याद दिलाते रहेंगे।

चोरों ने नेटवर्किंग स्विच स्पेयर समेत 25 लाख के सामान को किया पार

लखनऊ। हाई सिक्योरिटी के बाद भी संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एस जी पीजीआइ) में चोरों ने नेटवर्किंग स्विच स्पेयर समेत करीब २५ लाख के सामान पार कर दिए। ठेकेदार की तहरीर पर पीजीआई पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। ठेकेदार सौरभ पाल ने बताया कि चोरों ने पीजीआई कैंपस के अंदर इमरजेंसी मेडिकल बिल्डिंग का ताला तोड़ उसमें रखे नेटवर्किंग स्विच सहित अन्य उपकरण लेकर फरार हो गए। नेटवर्किंग स्विच स्पेयर में दो अलग से रखे थे, जिनकी कीमत १८ लाख थी। कई अन्य उपकरण भी कीमती थे, उसे भी चोर उठा ले गए। पीजीआई थाना प्रभारी राणा राजेश कुमार सिंह ने बताया कि मामला संदिग्ध लग रहा है। जांच की जा रही है।

अद्भुत चर्च : कुनकुरी चर्च

अमरेन्द्र सहाय अमर

छत्तीसगढ़ के जशपुर में एशिया का दूसरा सबसे बड़ा चर्च है. जिसे महागिरजाघर के नाम से जाना जाता है. दिखने में काफी विशाल और भव्य है. जशपुर के चर्च का इतिहास भी अद्भुत है. छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के कुनकुरी में एशिया का दूसरा सबसे विशाल चर्च है. इस चर्च की नींव वर्ष १९६२ में रखी गई थी. जब इस चर्च को बनाया गया था उस समय कुनकुरी धर्मप्रांत के बिशप स्टानिसलास लकड़ा थे. इस विशालकाय चर्च वाले भवन को एक ही बीम के सहारे खड़ा करने के लिए नींव को विशेष रूप से डिजाइन किया गया था. सिर्फ इसी काम में दो साल लग गए थे. नींव तैयार होने के बाद भवन का निर्माण १३ सालों में पूरा हुआ. कहा जाता है कि उस वक्त ये चर्च जंगल

और पहाड़ियों से घिरा हुआ था, लेकिन समय के साथ सब बदलता गया. अब जिस जगह पर चर्च है वह क्षेत्र शहर के रूप में विकसित हो चुका है. कुनकुरी के चर्च को एशिया का दूसरा सबसे बड़ा चर्च होने का गौरव तो प्राप्त है ही इसके अलावा इस चर्च की एक और विशेषता है, जो अपने आप में अलग है. इस महागिरजाघर में ७ अंक का विशेष महत्व है. इस चर्च में ७ छत और ७ दरवाजे हैं. कैथोलिक वर्ग में ७ नंबर को खास माना गया है. हफ्ते में भी ७ दिन होते हैं. ७वां दिन भगवान का होता है. चर्च की ७ छतें एक ही बीम पर टिकी हुई है. ये चर्च इतना विशाल है कि इसके अंदर एक साथ १० हजार लोगों के बैठने की क्षमता है. एशिया का सबसे बड़ा चर्च नागालैंड में है. उसके बाद दूसरा सबसे बड़ा चर्च छत्तीसगढ़ के कुनकुरी में है. बता दें कि कुनकुरी से ११ किलोमीटर दूर गिनाबाहर में सन १९१७ में इलाके का सबसे पहला चर्च था. उस समय कुनकुरी एक छोटा सा गांव था. इसके बाद यहां लोयोला स्कूल और होलीक्रस अस्पताल की स्थापना हुई थी. चर्च बनने के बाद ही कुनकुरी एक शहर के तौर पर विकसित हुआ. यहां अस्पताल और शैक्षणिक संस्थाएं खुले और बाजार भी शुरू हुआ. अब यहां १० हजार से अधिक परिवार रहते हैं।

ओबीसी आरक्षण को लेकर भड़के राम गोपाल यादव, सूबे की सियासी सरगर्मी बढ़ी

लखनऊ। यूपी निकाय चुनाव को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच का फैसला आने के बाद से सूबे की सियासी सरगर्मी बढ़ गई है। सूबे के विपक्षी दल लगातार भाजपा और योगी सरकार पर हमलावार है। इसी कड़ी में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव प्रो. राम गोपाल यादव ने ट्वीट कर हाईकोर्ट के फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण है। साथ ही उन्होंने प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य पर तंज कसते हुए उन्हें बंधुआ मजदूर बता दिया। प्रो. राम गोपाल यादव ने ट्वीट कर लिखा, ''निकाय चुनावों में ओबीसी का आरक्षण खत्म करने

का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण। उत्तर प्रदेश सरकार की साजिश। तथ्य न्यायालय के समक्ष जानबूझकर प्रस्तुत नहीं किए। उत्तर प्रदेश की साठ फीसदी आबादी को आरक्षण से वंचित किया। ओबीसी मंत्रियों के मुँह पर ताले। मौर्य की स्थिति बंधुआ मजदूर जैसीश्श्! बता दें कि यूपी निकाय चुनाव को लेकर इलाहबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने ओबीसी आरक्षण को रद्द कर दिया। यह फैसला न्यायमूर्ति देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति सौरभ लवानिया की पीठ ने यह आदेश दिया। इस फैसले से राज्य में शहरी स्थानीय निकाय चुनाव कराने का रास्ता साफ हो गया है।

मुंबई में अभिनेत्री तुनिषा शर्मा का अंतिम संस्कार किया गया

मुंबई। अभिनेत्री तुनिषा शर्मा का मंगलवार को यहां उनके परिवार के सदस्यों और टेलीविजन जगत के सहयोगियों की उपस्थिति में

अंतिम संस्कार किया गया। टीवी धारावाहिक "अली बाबा: दास्तां–ए–काबुल" और "फितूर" जैसी फिल्म के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री तुनिषा (२१) ने शनिवार को अपने धारावाहिक के सेट पर आत्महत्या कर ली थी। जे जे अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के बाद, उनके शव को मीरा भायंदर के टेम्भा अस्पताल लाया गया और फिर उसे उनके मीरा रोड स्थित घर ले जाया गया। भायंदर पूर्व में स्थित घोदेव श्मशान भूमि में उनका अंतिम संस्कार किया गया। शर्मा की मां वनिता शर्मा अंतिम संस्कार के दौरान बेहोश हो गईं। विशाल जेठवा, कंवर ढिल्लों, सायंतनी घोष, शिविन नारंग, दीपिका गोयल अपने पति रोहित राज गोयल के साथ, अनवीत कौर, निर्देशक जोड़ी अब्बास– मस्तान, सिद्धार्थ निगम और अशनूर कौर सहित टेलीविजन और फिल्म जगत के कुछ जाने पहचाने चेहरे तुनिषा के अंतिम संस्कार में पहुंचे। तुनिषा के चाचा ने कहा कि चंडीगढ़ में पांच जनवरी को तेरहवीं की रस्म होगी। तुनिषा के सह–कलाकार शीजान खान को उसे आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में रविवार को गिरफ्तार किया गया था। खान फिलहाल चार दिन की पुलिस हिरासत में है।

सलमान खान ने परिवार, मित्रों व प्रशंसकों के साथ मनाया 57वां जन्मदिन

मुंबई। सलमान खान मंगलवार को ५७ साल के हो गए।इस मौके पर उन्हें बधाई देने के लिये ब्रांदा स्थित उनके घर के बाहर सैकड़ों लोगों की भीड़ दिन भर इस उम्मीद में जुटी रही कि उनके 'भाईजान' उनकी बधाई स्वीकार करने बाहर आएंगे। शाम करीब छह बजे सलमान अपने घर की बालकनी में आए और बाहर खड़े लोगों को हाथ जोड़कर नमस्ते किया फिर सलाम। उन्होंने हाथ हिलाकर वहां खड़े अपने प्रशंसकों का

अभिवादन स्वीकार किया। वहां खड़े कुछ प्रशंसक सलमान को देख इतने उत्साहित हो गए कि उन्होंने बैरीकेड तोड़ दिया। अभिनेता के प्रशंसक सुबह से ही उनके घर गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर जुटने लगे थे और शाम होते–होते वहां लोगों का अच्छा खासा हुजूम जुट गया। हल्के नीले रंग की टी–शर्ट और जींस पहने सलमान ने लोगों का अभिवादन किया और उनसे व्यवस्था बनाए रखने का अनुरोध किया। सलमान के साथ उनके पिता सलीम खान भी थे। सलमान ने भीड़ का अभिवादन स्वीकार करते हुए अपनी एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखा, "सभी का शुक्रिया"। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए इमारत के बाहर पुलिसकर्मी तैनात थे। अभिनेता के जाने के बाद कुछ प्रशंसकों ने बैरिकेड्स तोड़ दिए, जिसके बाद पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। सलमान खान ने सोमवार रात अपने करीबी परिजनों और दोस्तों के साथ बहन अर्पिता खान शर्मा और बहनोई आयुष शर्मा द्वारा उनके खार स्थित घर पर आयोजित एक पार्टी में अपना जन्मदिन मनाया। अर्पिता और आयुष ने तीन साल की हुई अपनी बेटी आयत शर्मा और बलीवुड अभिनेता के लिए एक संयुक्त जश्न का आयोजन किया था। इस पार्टी में अभिनेता शाहरुख खान, तब्बू, कार्तिक आर्यन, सुनील शेट्टी, पूजा हेगड़े, रितेश देशमुख, जेनेलिया डिसूजा, संगीता बिजलानी, सोनाक्षी सिन्हा, साजिद नाडियाड वाला उनकी पत्नी वर्धा नाडियाडवाला, रमेश तौरानी और लूलिया वंतूर शामिल थे। पार्टी में शामिल शाहरुख ने मंगलवार तड़के पार्टी से निकलते हुए सलमान खान को गले लगाया। अरबाज खान, सोहेल खान, अतुल अग्निहोत्री और अलवीरा खान अग्निहोत्री सहित परिवार के सदस्य मौजूद थे। सलमान ने पार्टी स्थल के बाहर खड़े पैपराजी (फोटोग्राफर) के साथ केक काटकर अपना खास दिन भी मनाया।

कोरोना के नए वेरियंट की आहट को लेकर अस्पतालों में मॉक ड्रिल

लखनऊ। प्रदेशभर में मंगलवार को कोरोना के नए वेरियंट को परखने और बचाव के लिए डेडीकेटेड हॉस्पिटल में मॉक ड्रिल हुई, जिसमें वेंटीलेटर, दवा, ऑक्सीजन की उपलब्धता को परखा गया। इस दौरान आईसीयू वार्ड में ऑक्सीजन प्लांट के प्रेशर की बारीकी से जांच की गई। उप्र. के ७५ जिलों के करीब ४०० से अधिक अस्पतालों में मॉक ड्रिल हुई। इस दौरान हर जिले में सरकार की ओर से नियुक्त किए गए नोडल अधिकारी भी मौजूद रहे। इसके साथ ही डब्ल्यूएचओ के सर्विलांस मेडिकल ऑफिसर भी मॉक ड्रिल के गवाह बने। दरअसल, एक बार फिर दुनिया के कई देशों में बढ़ रहे कोविड के नए वेरियंट बीएफ ७ की आहट से देश में स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड में है। ऐसे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर हुई मॉक ड्रिल की हकीकत परखने के लिए उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक मंगलवार सुबह करीब १० बजे राजधानी के जिला अस्पताल बलरामपुर पहुंचे। यहां उन्होंने मॉक ड्रिल की शुरुआत करते हुए अक्सीजन की उपलब्धता से लेकर वेंटिलेटर, आईसीयू आदि सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त पाईं। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोरोना के नए वेरियंट को लेकर अलर्ट मोड में रहें।

१६ परीक्षा केन्द्रों पर बुधवार होगी सीटीईटी

लखनरऊ। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा आयोजित केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटीईटी) २८ व २९ दिसम्बर को होगी। सीबीएसई लखनऊ के कोअर्डिनेटर जावेद आलम ने बताया कि राजधानी में १६ परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। करीब १० हजार अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। इस बार यह परीक्षा अनलाइन करायी जा रही है। सीटीईटी दो शिफ्टों में आयोजित होगी। पहली शिफ्ट सुबह ९.३० से दोपहर १२ बजे तक और दूसरी शिफ्ट दोपहर २.३० से शाम ५ बजे तक होगी। सुबह की शिफ्ट के लिए उम्मीदवार को सुबह ७.३० बजे निर्धारित परीक्षा केंद्र पर पहुंचना।

फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' की शूटिंग अनुष्का शर्मा ने की पूरी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने सोमवार को घोषणा की कि उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान झूलन गोस्वामी के जीवन पर आधारित आगामी फीचर फिल्म चकदा एक्सप्रेस की शूटिंग पूरी कर ली है। प्रोसित रय द्वारा निर्देशित इस फिल्म में विभिन्न बाधाओं को पार करके भारत की तरफ से क्रिकेट खेलने का सपना पूरा करने वाली झूलन गोस्वामी की कहानी बयां की गई है। अनुष्का शर्मा (३४) ने इंस्टाग्राम पर यह खबर और सेट पर ली गईं कई तस्वीरें साझा कीं। अभिनेत्री ने लिखा कि चकदा एक्सप्रेस की शूटिंग पूरी हुई। झूलन गोस्वामी आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। अनुष्का ने इस साल जून में फिल्म की शूटिंग शुरू की थी। फिल्म नेटफ्लिक्स पर प्रदर्शित की जाएगी। इसका निर्माण अनुष्का के भाई कर्णेश शर्मा ने क्लीन स्लेट फिल्म्स के बैनर तले किया है।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक